भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
27.11.2014 को राज्य सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 467

रेअर अर्थ्स के भण्डार

467. श्री भूपिंदर सिंह :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत सरकार के पास देश में राज्य-वार रेअर अर्थ्स के भण्डारों से संबंधित आंकड़ों का ब्यौरा है;

(ख) यदि हाँ, तो उपरोक्त सूची में कौन-कौन से खनिज हैं; और

(ग) इन खनिजों का उपयोग कहाँ-कहाँ हो रहा है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) तथा (ख) जी, हाँ। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के एक संघटक यूनिट, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) ने, भारत के तटीय क्षेत्रों के साथ-साथ पुलिन बालुका खनिज प्लेसर निक्षेपों में मोनाज़ाइट स्रोतों की 11.93 मिलियन मीटरी टन मात्रा की विद्यमानता का पता लगाया है। सामान्यतः मोनाज़ाइट में कुल लगभग 55 - 60 प्रतिशत विरल मृदा ऑक्साइड मौजूद होता है। परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय द्वारा पता लगाए गए मोनाज़ाइट के स्वस्थाने स्रोतों का राज्य-वार ब्यौरा निम्नानुसार है :

राज्य	मोनाज़ाइट (मिलियन टन)
ओडिशा	2.41
आंध्र प्रदेश	3.72
तमिलनाडु	2.46
केरल	1.90
पश्चिम बंगाल	1.22
झारखण्ड	0.22
कुल	11.93

एक अन्य विरल मृदा युक्त खनिज, ज़ीनोटाइम के स्रोत, भारत में नगण्य हैं। परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय ने छत्तीसगढ़ और झारखंड के नदीय भारी खनिज प्लेसर निक्षेपों में, ऐसे लगभग 2000 मीटरी टन ज़ीनोटाइम युक्त भारी खनिज सांद्र का पता लगाया है, जिसमें दो प्रतिशत ज़ीनोटाइम मौजूद है।

(ग) मोनाज़ाइट मुख्यतः विरल मृदाओं से, और थोरियम जोकि एक विहित पदार्थ है और जिसका हस्तन परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) द्वारा किया जाता है, से युक्त खनिज है। तदनुसार, इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल), जोकि भारत के सम्पूर्ण स्वामित्व वाली कम्पनी है, और परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन है, परमाणु ऊर्जा विभाग में आवश्यकतानुसार, मोनाज़ाइट का उपयोग मुख्यतः, विरल मृदा यौगिकों, और थोरियम के उत्पादन के लिए करती है।

* * * * * * *